

an>

Title: Regarding gang rape of a 71 year old nun of a Christian missionary.

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY (BAHARAMPUR) : Madam, three days ago, one heinous crime has been committed against a Christian Missionary in West Bengal, 80 kms. away from Kolkata where a 71-year-old nun had been gang-raped by miscreants.â€ (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, मैंने पहले आपका ही नाम लिया था। आपने खड़े होकर बोला कि हमारी तरफ से श्री गौरव गोगोई बोलेंगे। मैंने गौरव जी को पूरा समय दिया, टोका भी नहीं है।

â€ (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब आप मुझे बैठे-बैठे सिखाएंगे।

â€ (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैंने सबका नाम लेकर कहा कि जिन-जिन लोगों ने नोटिस दिए हैं, नाम भी लिखवाए कि ये सब इसमें एंजोसिएट करेंगे। अब दुबारा यह नहीं हो सकता। अधीर रंजन जी अलग से विआय उठाना चाहते हैं, इसलिए मैं उन्हें बोलने का समय दे रही हूँ।

â€ (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ऐसे नहीं होता।

â€ (व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record except the speech of Shri Adhir Ranjan Chowdhury.

...(Interruptions)â€ □

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY: Three days ago, a heinous crime was committed against a Christian missionary in West Bengal whereby a nun of 71 year old was brutally gang raped much to the disgrace and shame of us because a rape is a bestial aggression against the dignity of woman.

माननीय अध्यक्ष : किस पर श्रेम कर रहे हैं? यह क्या है?

â€ (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसे महिला ने भुगतता है।

â€ (व्यवधान)

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY: That is why, all the Members of the House should condemn it in a unilateral voice. Even all the molesters were caught on CCTV camera but none has so far been arrested. It is the callousness of the State Government. Even the Chief Minister was gheraoed by the mob. Students of the school and parents are hitting the street in protest against this heinous incident. ...(Interruptions)

HON. SPEAKER: Kumari S. Sushmita Deo is allowed to associate with the issue raised by Shri Adhir Ranjan Chowdhury.

Now, only the speech of Shri Mohammad Salim will go on record.

...(Interruptions)â€ □

श्री मोहम्मद सलीम (रायगंज) : मैडम, जो कुछ रानाघाट में हुआ, वह बहुत अफसोसनाक बात है।...(व्यवधान) A septuagenarian lady happened to be Mother Superior, and in charge of the Jesus and Marry School. We all feel ashamed. I represent Bengal. I feel ashamed. Never before, this could have been imagined or thought of or heard of such thing but despite the assurance given by the State administration. after 70 hours, no arrest has been made. आज पूरे देश में जो स्थिति बन रही है, जैसे आपने सुना, महिलाओं या दुबले, कमजोर वर्ग के लोगों पर बड़ी आफत आ रही है। मैं समझता हूँ कि यह धर्म का मामला नहीं है, व्यक्ति का मामला नहीं है, यह दल, प्रांत का मामला भी नहीं है, पूरे देश और विदेश में हमारा सिर झुक रहा है। मदर टेरेसा ने पूरे विश्व को जो राज दिया, आज अगर उस राज में सिस्टर होने के नाते उनके साथ यह हो रहा है और सरकार नाकाम है, तो पूरे हाउस को इसे कंडेम करना चाहिए।...(व्यवधान) यह शर्मिंदगी की बात है। केन्द्र सरकार की भी जिम्मेदारी है। अगर महिला या अकलियत पर कोई अत्याचार होता है तो केन्द्र सरकार राज्य सरकार से पूछे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप हिन्दी में बोलिए।

â€ (व्यवधान)

श्री एस.एस.अहलुवालिया (दार्जिलिंग) : नारी के ऊपर जो अत्याचार हो रहा है और उनका उत्पीड़न हो रहा है, वह उसकी रक्षा नहीं कर सकती। उन मुख्य मंत्री के पास गृह मंत्रालय, स्वास्थ्य

मंतूलय है। जब किसी का उत्पीड़न होता है और हत्या होती है तो वह कहती हैं कि सरकार से उसे मुआवजा दे दिया जाए। इससे शर्मनाक क्या हो सकता है कि किसी का रेप हो। इसमें गिरफ्तारी होनी चाहिए, उसे मुआवजा बांटते फिरते हैं। यह नन एक वृद्धा है, मां की उम्र की है, उस मां का उत्पीड़न हुआ है। क्या उसे मुआवजा देंगे? उसे न्याय चाहिए। भारत की नारी पश्चिम बंगाल की भूमि में न्याय की मांग करती है। उसे न्याय चाहिए अन्यथा ऐसी सरकार को बरखास्त करना चाहिए... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** श्रीमती पी.के. श्रीमती टी.चर और मोहम्मद बद्रुद्दोज़ा खान, जिन्होंने नोटिस दिया था, दोनों एसोसिएट कर रहे हैं।

Shri Radheshyam Biswas, P.K. Biju, Shri M.B. Rajesh are allowed to associate with the issued raised by Shri Mohammad Salim.

â€¦ (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप लोग भी एसोसिएट कर सकते हैं। आप नाम लिखकर दे दीजिए।

â€¦ (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** सौगत राय जी, आप क्या कहना चाहते हैं?

SHRI KALYAN BANERJEE (SREERAMPUR): You have to give us chance... (Interruptions)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record. Only he will associate.

...(Interruptions)

HON. SPEAKER: Saugata Roy ji, what do you want to say?

...(Interruptions)

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): Madam, I join all other Members. â€¦ (Interruptions) Madam, what is this? ... (Interruptions)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record. Only Saugata Roy ji's statement will go on record.

...(Interruptions) â€¦ □

PROF. SAUGATA ROY: I join firstly Gaurav Gogoi in condemning the attack on a church in Hissar, in Haryana. I also join the other Members who have expressed their anguish over the gangrape... (Interruptions) Venkaiah Naidu ji, you are Parliamentary Affairs Minister; let me complete.

**माननीय अध्यक्ष :** जल्द कम्पलीट कीजिए। यह बहुत सेन्सेटिव इश्यू है, ऐसा मत कीजिए।

PROF. SAUGATA ROY: I join everybody in condemning the heinous attack on a nun in Ranaghat in West Bengal. On the same day of the incident, the Chief Minister has issued a statement saying that she condemned the issue. She has instructed the CID to apprehend the culprits. She has promised that the sternest possible action will be taken. Unlike most of our Chief Ministers in the country, she herself went to meet the nun yesterday in Ranaghat and she met the Convent members and assured them of all protection. ... (Interruptions)

**माननीय अध्यक्ष :** यह कोई चर्चा का विषय नहीं है।

PROF. SAUGATA ROY: But, may I say, Madam, these types of incidents are happening because of the communal atmosphere created in the country where a ruling party is constantly talking ... (Interruptions)

HON. SPEAKER: Now, nothing will go on record. That is all.

...(Interruptions)

**श्री एम. वैकैर्या नायडू :** सौगत दा, इससे कोई फायदा नहीं होगा।

HON. SPEAKER: Kindly sit down. Nothing is going on record.

...(Interruptions) â€¦ \*

**माननीय अध्यक्ष :** मेरी समझ में नहीं आता है, मुझे लगा था कि आप लोग बहुत सेन्सेटिव हैं, मगर ऐसा नहीं लग रहा है, एक इतनी वृद्ध महिला के साथ इस तरह की घटना हुई है,

â€¦ (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** यह क्या हो रहा है?

आप बैठ जाइए।

â€¦ (व्यवधान)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

...(Interruptions)

**माननीय अध्यक्ष :** आप लोग चुप रहिए, मेरी बात सुन लीजिए। यह कोई ऐसा विषय नहीं है, जैसा सभी ने कहा और मैं भी उससे सहमत हूँ। किसी इतनी वृद्ध महिला के साथ इस तरह की घटना

हुई है, हम सभी लोगों को उसी अनुसार अपनी बात व्यक्त करनी चाहिए थी, ऐसे समय में आरोप-प्रत्यारोप नहीं होता है। मुझे लगता है इस तरह आप न करें तो ज्यादा अच्छा होगा। यह चर्चा का विषय नहीं है। सभी की इसमें सहमति है।

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam Speaker, in a Parliamentary system, if some issue is raised by some Member, the Government must be allowed to have its response also....(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : जय प्रकाश नारायण यादव जी, आप क्या कर रहे हैं? आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सब लोग दुखी हैं। आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैकैर्या नायडू : अगर आप हर दिन ऐसे ही डिबेट करेंगे, तो हम क्या करेंगे? ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह क्या हो रहा है?

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैकैर्या नायडू : मैडम, पश्चिम बंगाल में जो घटना घटी, हरियाणा में घटना घटी ...(व्यवधान) जो वक्तव्य बाहर दिया ...(व्यवधान) आप सब सुनिये। असम में घटना घटी। अभी कोई कह रहा था कि उत्तर प्रदेश में भी घटना घटी। मेरा यह कहना है कि इश्यू को फोकस करना, सदन में हाईलाइट करना और संबंधित सरकार को उस पर कार्रवाई करना, यह जरूरी है। अगर यह गलती आपकी है, यह गलती इनकी है, अगर हम ऐसा कहना शुरू करेंगे, तो फिर उसका कोई समाधान नहीं होगा। ...(व्यवधान) जो विषय अभी सौगत दा ने बताया ...(व्यवधान)

पू. सौगत राय : हर किसी को उसकी निंदा करनी चाहिए। ...(व्यवधान)

श्री एम. वैकैर्या नायडू : मैं उसी पर आ रहा हूँ। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैकैर्या नायडू : अभी जो सौगत दा ने कहा। Madam, law and order is basically a State issue. As was said by Saugata da, the Mukhyamantri had visited there; I acknowledge that. The House also should understand the parameters of the Government's functioning and the Constitutional responsibilities. In the House, Members from that side and this side, all of us can join together in condemning such heinous acts be in Bengal, be in Haryana, be in other places. This is my first point.

Secondly, it should not be ...(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : आप सब बैठ जाइये। हमेशा महिला के इश्यू पर आप सब इस तरह से राजनीति करते हैं, यह अच्छी बात नहीं है। कृपया आप सब थोड़े शांति रहिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अरविंद जी, आपको बोलने की जरूरत नहीं है, क्योंकि सबके मन में दुख है। शिव सेना के मन में भी दुख है। आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: Let us do some our soul searching. What purpose are we achieving by accusing this party or that party? Are we doing justice to the issue? That has to be understood.

Madam, these are the incidents that are condemnable. आप बैठ जाइये। आपको इतना अनुभव है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मंत्री जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री एम. वैकैर्या नायडू : मैडम, मेरी प्रॉब्लम यह है कि मुझे जो संस्कार मिले ...(व्यवधान) आपने जो मौका दिया, उसमें ही बोलना है। ...(व्यवधान) मैं कोई रनिंग आर्ग्यूमेंट नहीं करना चाहता। ...(व्यवधान) That too, we know that we are in Government also. The Central Government has got certain responsibility; the State Government has got certain responsibility. ...(Interruptions)

HON. SPEAKER: Now, it is too much. When I am saying, 'nothing will go on record', अगर आपको फिर भी चिल्लाना है, बताना है तो बताते रहिए। यह क्या तरीका है? आप कौन सी सखानुभूति किसके साथ दिखा रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं आप सबको बोल रही हूँ कि कोई भी बीच में नहीं बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: The Government of India will not shirk its responsibility as and when required to take necessary action. But, at the same time, you cannot expect the Government of India to do something in Haryana, to do something in West Bengal, to do something in other places. The moment the Central Government steps in, then there will be criticism. Keeping that in mind, the sensitivities also in mind – an atrocious thing has been done to an elderly nun who is serving the people – the Government of the day in Bengal has assured that they are taking action. You may not

be satisfied with that. For that, the forum is outside. We cannot find fault and then accuse this Government and that Government. That is my first submission.

The second point I want to make is this. Somebody makes some statement outside. Are we to discuss those statements everyday here, who is not there in the House, who totally disagrees with such statements. ...(*Interruptions*)

My point is, they should not try to rake up political issues. Do not trivialize the issue; do not politicize the issue. Everybody knows who is running vote bank politics in the country, and who are aligning with communal elements. Everybody knows who are aligning with the communal elements. So, you need not teach lessons to us. Please understand; maintain decency and decorum in the House. Let us have a meaningful and purposeful debate rather than trying to score brownie political points.

**माननीय अध्यक्ष :** वह इश्यू समाप्त हो गया है।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** श्री चन्द्रमाजरा जी।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** यह इश्यू उससे भी गंभीर है।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** विधुड़ी जी, आप बहुत विद्वान हैं, इसलिए बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

**श्री प्रेम सिंह चन्द्रमाजरा (आनंदपुर साहिब) :** खड़गे जी, बैठ जाइए... (व्यवधान) मैं बहुत महत्वपूर्ण विधाय पर बोलना चाहता हूँ... (व्यवधान) खड़गे जी को बिठाइए। ये सबका समय ले लेते हैं और सारे हाउस का समय खराब करते हैं... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप अपने विधाय पर बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: He has given the notice of Adjournment Motion and that is why I called his name.

...(*Interruptions*)

**शहरी विकास मंत्री, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री एम. वैकेंरिया नायडू) :** वह बोलना चाहते हैं, उनको बोलने दीजिए। किसान का मामला है, जो आत्महत्याएं हुई हैं, उसका मामला है।

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) :** माननीय अध्यक्ष जी, मैं एक मिनट बोलना चाहता हूँ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** मैं एलाऊ नहीं करूँगी।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** क्या हर रोज एक के ऊपर एक बात करते जाएंगे? अभी उनको बुलाया है। आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे :** मैं सिर्फ एक मिनट बोलूँगा... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आपको दो बार बोलने का मौका दिया है। ऐसे नहीं होता है। आपके सदस्य जोर से चिल्लाते हैं और आप योकते भी नहीं हैं।

â€¦(व्यवधान)

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे :** मुझे एक मिनट बोलने का मौका दीजिए। ... (व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** चन्द्रमाजरा जी, आप स्पीकर से बात कीजिए।